राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षान्त एवं 76वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना हो

ज्ञान के प्रसार में विश्व में विशिष्ट पहचान बनाए राजस्थान विश्वविद्यालय –राज्यपाल

जयपुर, 8 जनवरी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राजस्थान विश्वविद्यालय को ज्ञान के प्रसार और शोध–अनुसंधान के नवाचारों में विश्वभर में विशिष्ट पहचान बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, तकनीकी, उद्योग, पूंजी, श्रम और संस्कृति सभी क्षेत्रों में देश कैसे सर्वोच्च स्थान पर पहुंचे, विश्वविद्यालय शिक्षण के अंतर्गत इस पर विचार किया जाना चाहिए।

श्री मिश्र राजस्थान विश्वविद्यालय के 31 वें दीक्षान्त समारोह एवं 76 वें स्थापना दिवस पर शनिवार को यहां राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति को शिक्षित बनाने के साथ आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सके। विश्वविद्यालयों में ऐसे युवा तैयार करने चाहिए जो उद्यमिता के क्षेत्र में वैश्विक चुनौतियों का सामना करते हुए देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा में वैचारिक नवाचारों के साथ कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह की शोध परियोजनाओं पर कार्य किया जाएं जिनसे स्थानीय संसाधनों के अधिकाधिक उपयोग के साथ नवाचार अपनाते हुए युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा मिले।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध की दिशा यह नहीं होनी चाहिए कि हम कुछ किताबों को एकत्र कर उनके संदर्भ से एक नयी पुस्तक तैयार कर लें बल्कि इससे समाजोपयोगी विचारों की नई स्थापनाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय को शोध की ऐसी परम्परा का संवाहक बनाए जाने का आह्वान किया जिसमें विद्यार्थियों के चिंतन को नई दिशा मिले। उन्होंने शोध एवं अनुसंधान के अंतर्गत स्थानीय संस्कृति से जुड़े वैभव के संरक्षण का व्यावहारिक मार्ग तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध की ऐसी संस्कृति विकसित करने की बात कही जिससे विश्वविद्यालयी शोध एवं अनुसंधान का लाभ वृहद स्तर पर आम जन को मिल सके।

श्री मिश्र ने विश्वविद्यालयी कक्षाओं में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी हेतु अध्यापन में रोचकता का समावेश किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने शिक्षक और विद्यार्थी के निरंतर संवाद, पाठ्यक्रमों में समयबद्ध युगानुरूप परिवर्तन–परिवर्धन के साथ उनमें नवाचारों को बढ़ावा दिए जाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि वैश्विक संदर्भों में रोजगारपरक शिक्षा के अंतर्गत ऐसे पाठ्यक्रम निर्मित किए जाएं जिनसे कि विद्यार्थी शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् स्वयं के साथ दूसरों को भी रोजगार प्रदान करने में सक्षम हो सकें। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय को भारत और भारतीयता को केन्द्र में रखकर विद्यार्थियों में तकनीकी, साहित्यिक, वाणिज्यिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि को विकसित करने के लिए भी निरंतर कार्य किए जाने पर जोर दिया।

कुलाधिपति श्री मिश्र ने दीक्षान्त समारोह में शारीरिक शिक्षा के दो विद्यार्थियों व दर्शनशास्त्र के एक विद्यार्थी को डीलिट तथा कला, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, विधि, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, प्रबंध एवं ललित कला संकाय में 472 को पीएचडी की उपाधि तथा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 113 छात्र–छात्राओं को 119 स्वर्ण पदक प्रदान किये।

राज्यपाल श्री मिश्र ने अपने दीक्षान्त उद्‌बोधन से पूर्व समारोह में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को भारतीय संविधान की उद्देश्यिका एवं संविधान के अनुच्छेद 51 (क) में वर्णित मूल कर्तव्यों का वाचन भी करवाया।

राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव जैन ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य उपलब्धियों, विकास कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से आदिवासी छात्राओं के लिए दो छात्रावास भवनों का निर्माण तथा शुद्ध पेयजल हेतु बीसलपुर परियोजना से पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क का शीघ्र ही शिलान्यास कर निर्माण शुरू कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री के.एम. दूड़िया ने उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्द राम जायसवाल, राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट के सदस्यगण, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन उपस्थित रहे।

———

राज्यपाल की गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती पर शुभकामनाएं

जयपुर, 8 जनवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविन्द सिंह जी की जयंती (9 जनवरी) पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल ने सभी से गुरु गोविन्द सिंह जी के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है।

———